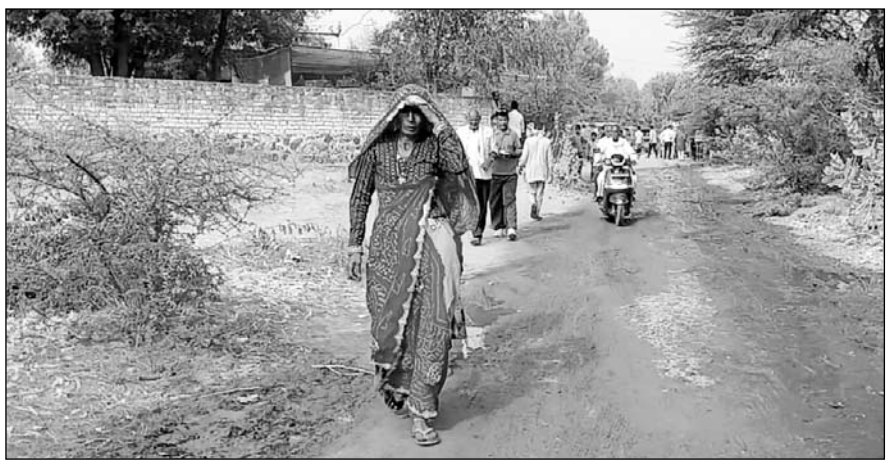
चूरू के ग्राम मेघसर में मतदान केन्द्र के सामने भरा गंदा पानी, मतदाता परेशान हुये

सड़क-नाली से लेकर स्कूल और अस्पताल तक बदहाल व्यवस्था पर ग्रामीणों में रोष

चूरू, (निसं)। जिले की पंचायत समिति चूरू की ग्राम पंचायतों जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों के लिए शनिवार प्रातः सात बजे से मतदान शुरु हो गया। मतदान के दौरान ग्राम पंचायत मेघसर में मतदान केन्द्र के सामने मुख्य रास्ते पर भरे गंदे पानी से मतदाताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मतदाता गंदे पानी से होकर मतदान केंद्र जाने को मजबूर हैं।

इन समस्याओं को लेकर जब ग्रामीणों से वार्ता की तो उन्होंने गांव की मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक किसी भी सरपंच और जन प्रतिनिधि ने गांव के विकास पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। गांव में न तो पानी निकासी की समुचित व्यवस्था है और न ही सड़क, नाली, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसी क्रम में पंचायत के गांव ढाणी लालसिंह पुरा के रामेश्वर कटारिया ने बताया कि गांव में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है और शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी कमियां हैं। वहीं मेघसर निवासी मुस्ताक खान ने आरोप लगाया कि पूर्व सरपंच ने गांव में कोई विशेष विकास कार्य नहीं करवाया। उनका कहना है कि थोड़ा-बहुत काम करवाकर ही पूरे पैसे उठा लिए गए। ग्रामीण अजीज खान ने बताया कि सरपंच ने कभी गांव में आकर समस्याओं को देखने तक की जहमत नहीं उठाई। गांव में पानी निकासी की समस्या और स्कूल में शिक्षकों की कमी वर्षों से बनी हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले जनप्रतिनिधि इन समस्याओं का समाधान करवाएंगे।



मतदाताओं को मुख्य रास्ते पर भरे गंदे पानी से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

- जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव में मतदान के बीच ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं की कमी के मुद्दे उठाए

वहीं गांव के ओमसिंह शेखावत ने बताया कि गांव की प्रमुख मांग पंचायत भवन का निर्माण, पानी निकासी की उचित व्यवस्था और पीएचसी में डॉक्टर की नियुक्ति है। उन्होंने कहा कि गांव में न सड़क की समुचित सुविधा है और न ही नालियां बनी हुई हैं। ग्रामीण आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने आने वाले जनप्रतिनिधियों से इन समस्याओं को प्राथमिकता से दूर करने की मांग की।

वहीं युवा समीर खान ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने वोट की अहमियत समझें और जात-पात तथा परिवारवाद से ऊपर उठकर मतदान करें। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसा जनप्रतिनिधि चुनें जो पढ़ा-लिखा, समझदार हो, ग्रामीणों की समस्याओं को सुने और गांव में विकास कार्य करवाने के लिए गंभीरता से प्रयास करें।

सिंघाना के ज्वैलर्स को पिस्तौल दिखाकर लूटने का प्रयास, गहने छोड़ भागा बदमाश

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना कस्बे के पुराने बाजार में शनिवार शाम एक ज्वैलर्स की दुकान पर लूट की कोशिश से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। हेलमेट पहनकर दुकान में पहुंचे एक युवक ने गहने दिखाने के बहाने दुकानदार से आभूषण लिए और उन्हें लेकर फरार होने का प्रयास किया। दुकानदार के विरोध करने और शोर मचाने पर बदमाश ने थैले से पिस्तौल निकालकर उसे डराने की कोशिश की। हालांकि, बाजार में भीड़ और लोगों के शोर-शराबे के चलते वह गहने छोड़कर मौके से फरार हो गया।

- गहने दिखाने के बहाने दुकान में हेलमेटधारी युवक घुसा, विरोध करने पर पिस्तौल निकाली
- सूचना मिलते ही सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई

जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब छह बजे सिंघाना के मुख्य बाजार स्थित बंशीधर सुशील कुमार ज्वैलर्स की दुकान पर हेलमेट पहने एक युवक पहुंचा। उसने दुकान मालिक सुशील कुमार से आभूषण दिखाने को कहा। सुशील कुमार जब उसे गहने दिखाने लगे तो युवक ने आभूषण अपने कब्जे में ले लिए और दुकान से भागने का प्रयास किया। यह देखकर दुकानदार ने उसे रोकने की कोशिश की और शोर मचाया। इस पर युवक ने अपने थैले से पिस्तौल निकालकर दुकानदार को डराने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना से दुकान और आसपास के बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मुख्य बाजार में लोगों की आवाजाही और शोर-शराबा बढ़ता देख बदमाश गहने छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्रित हो गए तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुकानदार एवं प्रत्यक्षदर्शियों से घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान और तलाश शुरू कर दी है।

मुख्य बाजार में ज्वैलर्स की दुकान को निशाना बनाने की इस कोशिश से व्यापारियों में चिंता और रोष है। व्यापारियों का कहना है कि पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन बदमाशों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों में असुरक्षा और भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और ऐसी वारदातों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की है।

इस संबंध में एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश के बारे में जानकारी जुटा रही है। आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश की जा रही है। जल्द ही वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिगों से छेड़छाड़ के बाद फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। जिले के पीपाड़ शहर थाना क्षेत्र के एक गांव में छात्राओं से छेड़छाड़ के उलाहने पर फायरिंग व डंपर चढ़ाकर जानलेवा हमला करने के मामले में डीएसटी ने दो नामजद आरोपियों को पाली से पकड़ा है। पुलिस ने वारदात में उपयोग लिया गया बिना नंबर का डंपर भी जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार जाटियावास निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी थी कि रवि, भजनलाल उर्फ रोहित, कालू उर्फ सुरेंद्र, सोनू, अरविंद व विष्णु सहित अन्य आरोपी गांव की छात्राओं का स्कूल आते-जाते समय पीछा कर अभद्र टिप्पणियां करते थे। इसका

- दोनों आरोपी कर्नाटक भागने की फिराक में थे, पाली में पकड़े गए

उलाहना देने पर 11 नवंबर को गौशाला के पास आरोपियों ने उससे मारपीट की। परिवादी का आरोप है कि इसके बाद आरोपी बिना नंबर का डंपर लेकर उसके मोहल्ले पहुंचे और अवैध हथियार लहराते हुए हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई। आरोपियों ने परिवादी व परिजनों पर डंपर चढ़ाने का प्रयास भी किया, जिससे वहां खड़ी एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

एसपी पंकज यादव के निर्देश पर थानाधिकारी सीताराम खोजा व डीएसटी प्रभारी शंकरलाल कड़वा की टीम ने तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर डीएसटी ने घेराबंदी कर पाली शहर में रिश्तेदार के यहां छिपे मुख्य आरोपी रवि पुत्र बीरबल राम और कालू उर्फ सुरेंद्र पुत्र हड़मान राम को पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों कर्नाटक भागने की तैयारी में थे, लेकिन किराये के पैसे नहीं होने के कारण पाली में रुक गए थे। पुलिस शेष आरोपियों की तलाश कर रही है।

दुकान में आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार थाना क्षेत्र में सात नवंबर को किराना दुकान पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने और दुकान के ताले तोड़ने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद स्विफ्ट कार में बैठकर फरार हो गया था। पूरी घटना दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

विवेक विहार थाना पुलिस के अनुसार सात नवंबर को धीमाराम खावा पुत्र बाबूलाल निवासी गुड़ा विश्नोइयान ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी पूजा किराणा स्टोर नाम से दुकान पूनिया भवन, गुड़ा विश्नोइयान में स्थित है। सात नवंबर की रात करीब 1.30 बजे बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार दुकान के पास आकर रुकी। कार से उतरे व्यक्ति ने दुकान के शटर पर पेट्रोल छिडक़कर आग लगा दी और फिर हथौड़े से ताले तोड़ने लगा। इसी दौरान दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हो गई। दुकान में आग लगने से करीब 40 से 50 हजार रुपये का नुकसान हुआ। विवेक विहार थाना पुलिस ने गठित टीम ने आरोपी विकास उर्फ विक्रांत पुत्र पपाराम को गिरफ्तार किया।

सस्ती स्कूटी बेचने का झांसा देकर ठगी

जोधपुर, (कासं)। फेसबुक पर सस्ती स्कूटी खरीदने का विज्ञापन देखकर संपर्क करना एक महिला को महंगा पड़ गया। साइबर ठग ने स्कूटी बेचने के नाम पर महिला से अलग-अलग किस्तों में 1 लाख 300 रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद भी स्कूटी नहीं मिलने पर महिला ने थाने में मामला दर्ज करवाया है।

सूरसागर पुलिस ने बताया कि मूलतः शुभदंड लूणी हाल भैरू चौक, कालूराम की बावड़ी एरिया में रहने वाली सरोज पत्नी कानगिरी गोस्वामी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसने 6 नवंबर को फेसबुक पर 16 हजार रुपए में स्कूटी बेचने का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर आरोपी ने पहले 1500 रुपए फोन-पे से भेजने को कहा। इसके बाद 7 नवंबर को स्कूटी पार्सल करने के फोटो भेजकर 11,500 रुपए और मांगे। फिर स्कूटी के दस्तावेजों के नाम पर 6150 रुपए जमा करवाए।

सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

खेतड़ी, (निसं)। कस्बे के धोबी घाट के पास शनिवार दोपहर एक गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को राजकीय उप जिला अस्पताल खेतड़ी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में उन्हें झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार खेतड़ी के वार्ड नंबर 3 निवासी पंकज पुत्र कैलाश और अनिल पुत्र राजेश कुमार शनिवार दोपहर करीब एक बजे बाइक पर सवार होकर घरेलू कार्य से कोलिहान नगर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान धोबी घाट के पास सामने से आई एक गाड़ी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और घायलों को संभाला। हादसे की सूचना पर 108 एंबुलेंस के पायलट अजीत सिंह निर्वाण और सुदेश लांबा मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को उपचार के लिए खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों की टीम ने उनका प्राथमिक उपचार किया। दोनों की हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए झुंझुनूं जिला अस्पताल रैफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। परिजनों के अनुसार पंकज और अनिल घरेलू काम से कोलिहान नगर जा रहे थे, तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। इधर, घटना की सूचना पर खेतड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

टायर फटने से सीमेंट से भरा तेज रफ्तार ट्रक पलटा

उदयपुर, (कास)। उदयपुर शहर के प्रतापनगर-एकलिंगपुरा बाइपास रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार सीमेंट से भरा एक मिनी ट्रक अचानक पलट गया। चलते वाहन का टायर पंचर होने से संतुलन बिगड़ा और ट्रक सड़क पर पलट गया। बीच सड़क पर सीमेंट के कट्टे भी बिखर गए। गनीमत रही कि हादसे के दौरान व्यस्त सड़क से गुजर रहे दूसरे वाहन इसकी चपेट में आने से बच गए। बाद में क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क से हटवाया गया।

जानकारी के अनुसार मिनी ट्रक में सीमेंट के कट्टे भरे हुए थे। यह ट्रक प्रतापनगर से एकलिंगपुरा की ओर जा रहा था। रास्ते में चलते समय अचानक मिनी ट्रक का टायर पंचर हो गया। गाड़ी में सीमेंट का वजन ज्यादा होने और अचानक टायर पंचर होने से ड्राइवर स्टेयरिंग पर अपना संतुलन नहीं रख पाया। देखते ही देखते ट्रक लहराते हुए मुख्य सड़क पर ही पलट गया। ट्रक के पलटते ही उसमें भरे सीमेंट के कट्टे भी सड़क पर गिरकर फट गए। हाईवे के बीचों-बीच ट्रक पलटने की तेज आवाज

- गनीमत रही कि हादसे के दौरान व्यस्त सड़क से गुजर रहे दूसरे वाहन इसकी चपेट में आने से बच गए

सुनकर आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। लोगों ने केबिन में फंसे ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। सड़क के बीच में ट्रक आड़ा गिरने और सीमेंट के कट्टे फैलने से प्रतापनगर से एकलिंगपुरा जाने वाले रास्ते पर यातायात बाधित हो गया। कुछ ही देर में सड़क पर वाहनों की कतार लग गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर क्रेन बुलवाई गई। क्रेन की मदद से काफी मशक्कत के बाद पलटे हुए मिनी ट्रक को सीधा कर सड़क के एक किनारे करवाया गया। सड़क से ट्रक और बिखरे सामान को हटाने के बाद हाईवे पर रुके हुए ट्रैफिक को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया गया।

उदयपुर में अरावली वाटिका पार्क में लोहे की रेलिंग पुलिया से उखड़कर नीचे की ओर झुकी

रेलिंग टूटने से पर्यटकों का संतुलन बिगड़ गया और वे करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बाल-बाल बच गए

उदयपुर, (कास)। पर्यटन नगरी उदयपुर में शनिवार को फतहसागर झील के पास स्थित अरावली वाटिका पार्क में लोहे की रेलिंग अचानक पुलिया से उखड़कर नीचे की ओर झुक गई। उस समय रेलिंग पकड़कर खड़े पर्यटक फोटो खिंचवा रहे थे। रेलिंग टूटने से पर्यटकों का संतुलन बिगड़ गया और वे करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बाल-बाल बच गए। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने तुरंत रेलिंग को संभालकर पर्यटकों को बचा लिया।

जानकारी के अनुसार पुलिया के किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग पिछले कई महीनों से कमजोर थी और अपने फाउंडेशन से हिल रही थी। शनिवार को कुछ पर्यटक इसी रेलिंग के सहारे खड़े होकर फोटो खिंचवा रहे थे। इसी दौरान रेलिंग अचानक उखड़कर नीचे की ओर झुक गई। इससे

- पुलिया के किनारे सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की रेलिंग पिछले कई महीनों से कमजोर थी और अपने फाउंडेशन से हिल रही थी
- अरावली वाटिका पार्क की इसी कमजोर रेलिंग के कारण जून महीने में भी दो पर्यटक नीचे गिरते-गिरते बचे थे, उस समय भी घटना की तस्वीरों के साथ नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को मौके की स्थिति से अवगत कराया गया था

वहां मौजूद पर्यटकों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि पास खड़े लोगों ने तत्काल मदद की और पर्यटकों को करीब 15 फीट नीचे चट्टानों पर गिरने से बचा लिया।

जानकारी के अनुसार अरावली वाटिका पार्क की इसी कमजोर रेलिंग के कारण जून महीने में भी दो पर्यटक नीचे गिरते-गिरते बचे थे। उस समय भी घटना की तस्वीरों के साथ नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को मौके की स्थिति से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद रेलिंग की मरम्मत और पर्यटकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए। अब शनिवार को एक बार फिर उसी रेलिंग के टूटने से बड़ा हादसा टल गया। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बाद नगर निगम की निगरानी और रखरखाव व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। फतहसागर झील घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए अरावली वाटिका पार्क भी प्रमुख आकर्षण है। यहां बने झरने और फाउंटेन का सुंदर नजारा देखने के लिए दिनभर बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। पार्क में बनी पुलिया से झरने और फाउंटेन का दृश्य दिखाई देता है। इसी वजह से पर्यटक यहां फोटो और सेल्फी लेने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे सार्वजनिक पर्यटन स्थलों पर रेलिंग,पुलिया और अन्य सुरक्षा इंतजामों की नियमित जांच जरूरी है। खासकर उन स्थानों पर जहां से नीचे गहरी चट्टानें या ढलान हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के मद्देनजर नगर निगम को कमजोर रेलिंग की तत्काल मरम्मत कराने और पार्क की अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने की जरूरत है।

महिला की चेन झपटने के आरोपी गिरफ्तार

सोने की चेन और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

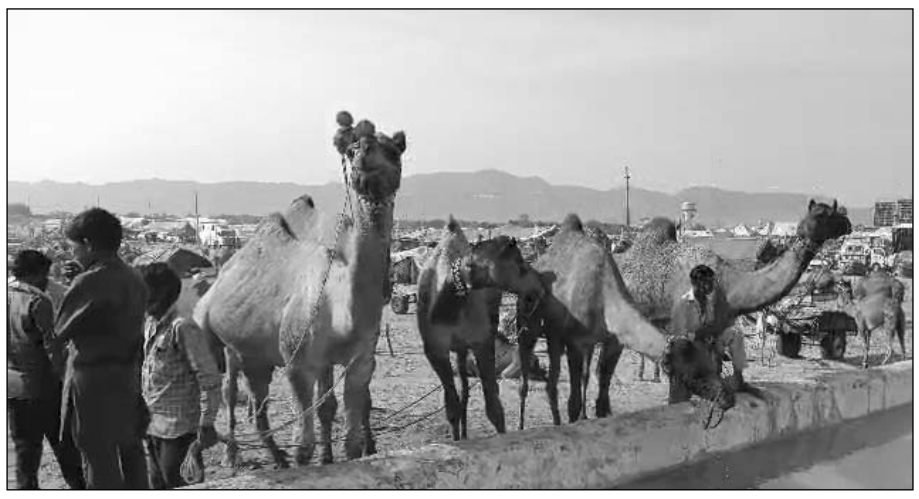
डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने किराना दुकान पर बैठी महिला के गले से सोने की चेन झपटने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साथी के साथ सुपारी खरीदने के बहाने वारदात की थी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चेन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। दूसरा आरोपी फिलहाल न्यायिक अभिरक्षा में है।

कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि भोईवाडा निवासी माया पत्नी नरेश भोई की मुरला गणेश रोड पर किराना दुकान है। 10 सितंबर को वह अपनी बहू और पड़ौस में रहने वाली आशा बाई के साथ दुकान पर बैठी थीं। इसी दौरान बिना नंबर की मोटरसाइकिल पर दो युवक वहां पहुंचे। एक युवक बाइक पर बैठा रहा और दूसरा दुकान पर सुपारी मांगने आया। माया काउंटर से सुपारी देने लगी, तभी युवक उनके गले से सोने की चेन झपटकर साथी के साथ बाइक पर फरार हो गया। थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत के नेतृत्व में टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी संसाधनों की मदद ली। जांच में पुंजपुर निवासी सुनील उर्फ लक्की उर्फ लखन मीणा का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे पुंजपुर गांव के जंगल से पकड़ा। पूछताछ में उसने साथियों के साथ वारदात करना कबूल किया। पुलिस ने सुनील उर्फ लक्की उर्फ लखन पुत्र मनोहरलाल मीणा, निवासी पुंजपुर, थाना आसपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी चेन झपटने के साथ सूने मकानों में चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहा है। वारदात में शामिल दूसरा आरोपी श्रीनाथ बैंगलोज में हुई चोरी के मामले में पहले से जिला कारागृह में न्यायिक अभिरक्षा में है।

पुष्कर मेले में आकर्षण का केन्द्र बना 21 करोड का "गोल्डन किंग घोडा"

पुष्कर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर पशु मेले में देशभर से आकर्षक नस्लों के ऊंट, बैल, गाय, सांड, घोड़े और घोड़ियां पहुंच रहे हैं। मेले में पशुओं की कद-काठी, नस्ल और खूबसूरती पशुप्रेमियों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी बीच मारवाड़ी नस्ल का सुनहरे रंग वाला अनूठा घोड़ा "गोल्डन किंग" विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी मनमोहक रंगत, आकर्षक कद-काठी और शाही अंदाज को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

"गोल्डन किंग" के मालिक गुजरात के सूरत निवासी डॉ. विजयदार पारीक ने बताया कि घोड़े के विशेष सुनहरे रंग के कारण इसका नाम "गोल्डन किंग" रखा गया है। उनके अनुसार मारवाड़ी नस्ल में इस तरह के सुनहरे रंग का यह दुनिया में अपनी तरह का अनूठा घोड़ा है। खास बात यह है कि इसके माता-पिता दोनों काले रंग के हैं, लेकिन ईश्वर की कृपा से "गोल्डन किंग" का रंग सुनहरा है। उन्होंने बताया कि साढ़े चार वर्ष की उम्र वाले इस घोड़े की ऊंचाई करीब 65 इंच है। इसकी वंशावली भी खास है। यह प्रसिद्ध घोड़े



पुष्कर पशु मेले में बड़ी संख्या में ऊंट पहुंच चुके हैं।

परमहंस का पोता तथा नामी घोड़े शिवराज का बेटा है, जबकि इसकी मां अली रतनाकर नस्ल की है।

डॉ. पारीक ने बताया कि "गोल्डन किंग" की कीमत करीब 21 करोड़ रुपये तक लग चुकी है, लेकिन वे इसे बेचने के इच्छुक नहीं हैं। उनके लिए यह केवल एक घोड़ा नहीं, बल्कि खास पहचान और गौरव का विषय है। वे इसे पुष्कर मेले में प्रदर्शन के लिए लेकर आए हैं। "गोल्डन किंग" की सुंदरता और आकर्षक शारीरिक बनावट के पीछे उसकी विशेष देखभाल एवं खान-पान की अहम भूमिका है। इसे देसी गाय का दूध, घी, मुरब्बा तथा चना-चूरी सहित विशेष पौष्टिक आहार दिया जाता है। नियमित देखभाल और विशेष खान-पान के चलते इसकी चमकदार रंगत और आकर्षक व्यक्तित्व लोगों को अपनी ओर खींच रहा है।

पुष्कर मेले में घोड़ों की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया पर भी चर्चाएं चल रही हैं। कई पशुपालक अपने घोड़ों

- मारवाड़ी नस्ल के सुनहरे रंग के घोड़े को देखने भीड़ उमड़ रही है
- पशु मेले में देशभर से आकर्षक नस्लों के ऊंट, बैल, गाय, सांड, घोड़े और घोड़ियां पहुंच रहे हैं

को चर्चित कराने के लिए सोशल मीडिया और वीडियो मंचों पर उनका प्रचार करवा रहे हैं। इसमें घोड़ों की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है, जिसको लेकर सवाल भी उठ रहे हैं।

पशुपालक आशु पंडित ने बताया कि कुछ पशुपालक अपने घोड़ों को प्रसिद्ध कराने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करवा रहे हैं। उनके अनुसार सोशल मीडिया पर दिखाई जा रही कीमतों और वास्तविकता में अंतर हो सकता है। इधर, मेले में ऊंटों और घोड़ों की आवक लगातार बढ़ रही है तथा हजारों की संख्या में ऊंट पहुंच चुके हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज में एक और प्रसूता की मौत

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत के मामले थम नहीं रहे हैं। अब एक और प्रसूता की मौत का मामला सामने आया है जिसकी मौत 12 नवंबर को हुई है। यह महिला भी बारां जिले से रेफर होकर आई थी और स्क्रब टाईफस व डेंगू की संदिग्ध मानकर उसका उपचार चल रहा था। यह एक माह में ही 7वीं मौत है। दूसरी तरफ, यह प्रकरण सामने आने के बाद दूसरे फेज में औषधि नियंत्रण अधिकारियों ने 13 दवाईयों और इंजेक्शन के 14 नमूने लिए थे, जिनमें फ्लूइड, एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट और सिजेरियन डिलीवरी के बाद उपयोग में आने वाली दवाईयां शामिल थीं। ये सभी नमूने जांच में पास हो गए हैं।

मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल की गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. नेहा सीहरा ने बताया कि 12 नवंबर को शाम के समय बारां जिले के मुसाई गुजरान निवासी 31 वर्षीय फूलाबाई मेहता मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल पहुंची थी। वह 6 महीने की गर्भवती थी। अस्पताल में लाते समय उसकी स्थिति काफी क्रिटिकल थी और वह कोमा व शॉक में थी। इमरजेंसी में ही उसे इंट्यूबेट किया गया था। आईसीयू में उसे कार्डियक अरेस्ट आ गया, जिसके बाद सीपीआर दिया गया और शाम करीब 7 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई। डॉ.सीहरा के अनुसार मरीज को लंबे समय से बुखार था, जब वह अस्पताल पहुंची थी, तब उसका गर्भपात हो गया था। इसके बाद उसका उपचार शुरू किया गया। मरीज को लंबे समय से बुखार था। डॉक्टर के अनुसार मरीज की मौत सेप्टिसीमिया, सेप्टिक शॉक और मल्टी-ऑर्गन फेलियर के चलते हुई है। उसका बीपी और प्लेटलेट्स लगातार गिर रहे थे। अस्पताल में उसकी प्लेटलेट्स 35 हजार थीं। इससे यह संभावना जताई जा रही है कि उसे डेंगू या स्क्रब टाइफस था। इसी को संदिग्ध मानते हुए उसे मेडिसिन विभाग में भर्ती भी किया गया था। बाद में उसके किडनी व लिवर फंक्शन बंद हो गए। आईसीयू में भी उसके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हो रहा था और वह कोमा की हालत में थी।

परिजनों ने बताया कि महिला को दिवाली के दौरान तेज बुखार था। ऐसे में परिजनों ने बारां जिले के कवाई सालपुरा में उसे दिखाया था, जहां चिकित्सक ने उसका उपचार किया और बाद में बारां भेज दिया। बारां में भी परिजनों ने सरकारी अस्पताल में दिखाया, जिसके बाद उन्हें कोटा के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन परिजन उसे बारां के एक निजी अस्पताल में लेकर गए। वहां दिखाने के बाद वहां से भी कोटा रेफर कर दिया गया। ऐसे में 11 नवंबर की रात एमबीएस अस्पताल में उसे भर्ती किया गया, जहां से वह बिना बताए 12 नवंबर को चली गई और कुछ घंटे बाद मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंची, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोटा के सहायक औषधि नियंत्रक प्रहलाद मीणा ने बताया कि अस्पताल से 13 तरह की दवाईयों के 14 नमूने लिए गए थे, जिनमें इंजेक्शन और फ्लूइड दोनों थे। इन नमूनों में एंटीबायोटिक, एलर्जी, बुखार, एसिडिटी, ब्लीडिंग रोकने और प्रसव के दौरान उपयोग होने वाली दवाईयां शामिल थीं। सभी टेस्ट रिपोर्ट में पास हो गई हैं।

प्रहलाद मीणा ने बताया कि इससे पहले मई महीने में प्रकरण सामने आने के बाद 37 नमूने लिए गए थे, जिसमें 30 इंजेक्शन, फ्लूइड और दवाइयां थीं, जबकि 7 मेडिकल डिवाईसेज की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। दवा के 30 नमूनों की रिपोर्ट आ गई थी, जिनमें 29 पास हो गए, जबकि ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन फेल हो गया था।